श्रष्ठभात् adj. der den besten Theil davongetragen hat so v. a. das einfache श्रष्ठ der beste, vorzüglichste: तिज्ञामुः क एषा श्रेष्ठभागिति MBu. 8,1890.

में छवर्चम् adj. der machtvollste, herrlichste : Könige RV. 5,65,2. 6,51,10. भेष्ठवाच् adj. überaus beredt R. 2,76,1.

श्रेष्ठशाक n. ein best. vortreffliches Gemüse; s. वर्गात.

अष्ठशाचिम् adj. am schönsten, — vorzüglich glänzend RV. 8,19,4.

श्रेष्ठिसन m. N. pr. eines Fürsten Rica-Tar. 3,97.

श्रेष्ठाप्त n. = वृताज्ञ n. die Frucht der Spondias mangifera Rigan. im ÇKDn.

श्रश्म m. das beste Lebensstadium (श्राश्रम) d. i. das des Haushalters ÇKDa. und Wilson (the householder).

म्रेष्ठिक (von म्रेष्ठिन्) s. भूरिः

भ्राष्ठिन (von भ्रष्ठ) m. 1) ein Mann von Ansehen Ait. Ba. 3,30. Çійкы. Ba. 28,6. Кайбі. Up. 4,20. — 2) das Haupt einer Innung, — Zunft, Gildemeister Ġатары. im ÇKDa. भ्राष्ठिप्रवास्त भ्राप्यः Накіч. 10985. श्रीष्ठिप्रदास्त भ्राप्यः Накіч. 10985. श्रीष्ठिप्रदास्त भ्राप्यः Накіч. 10985. श्रीष्ठिप्रदास्त अप्राप्यः Накіч. 10985. श्रीष्ठिप्रदास्त अप्राप्यः Накіч. 10985. श्रीष्ठिप्यः 1773, 8. Spr. (II) 2206. 3700. Райкат. 8,20. 100,1 (श्रीष्ठि° zu lesen). Verz. d. Oxf. H. 155, a, 17. Ver. in LA. (III) 17,10. 18,18. Çuk. ebend. 32,11. 37,2. Нюшех-тызанс 1,474. Z. d. d. m. G. 14,369,5. केशवि als N. pr. 573,3. श्रीष्ठिन (श्रिष्ठी die Hdschr.) als Gataka Çakjamuni's Viâpi beim Schol. zu H. 233. Viutp. 8 (श्रिष्ठी ज्ञात्तिक). 101. — Vgl. कुल्व॰.

थ्रेडमन (von 1. श्रिष) s. श्र.

ग्रेश (von भ्रष्ठ) n. Vorrang, die erste Stelle: सङ्गातानाम् AV. 1,9,3. 10,6,31. Air. Br. 4,25. 7,18. TS. 2,4,5,2. 5,6,7,3. TBr. 3,8,9,1. भूताना श्रेशं पर्यंत् Çat. Br. 13,7,1,1. 14,8,14,2. Kauç. 89. ेकाम Âçv. Çr. 10,3,22. Khánd. Up. 5,2,6. Kaush. Up. 2,6. 4,15. 20. M. 1,100. 12,38. Јаби. 1,264. МВн. 2,596. 3,821. Spr. (II) 1201. Ввас. Р. 10,74,19. Çağı. zu Kbánd. Up. S. 10. प्रकृति M. 10,3. वर्षा MBн. 7,156. कार्ण (so ed. Bomb.) 12,11039. ज्ञाति unter den Blutsverwandten Jaéú. 1,262. МВн. 13,5057. स्वजन Márk. Р. 33,10.

श्रिष्ठातम (!) adj. = श्रेष्ठतम. स्वानाम् Çұмки. Gқш. 1,19.

श्रोणा, श्रेंगणित Daitup. 13,14 (संघात). Nia. 4,3 (मतिचलाकार्मन्). Comm. zu TBa. 1,213 (संघवाचिन्). Aus श्रोण und श्रोणि geschlossen. Vgl. श्रोणा.

1. म्रापा Uććval. zu Unadis. 3,6. 1) adj. = श्रवण lahm, claudus AK. 2,6,4,48. H. 452. Halál. 2,455. RV. 1,112,8. गा 161,10. 2,13,12. प्रति श्राणाः स्थात् 15,7. 4,30,19. निः श्राणा भूत् 8,68,2. 10,25,11. — 2) f. ह्या N. eines Nakshatra, = श्रवणा TS. 4,4,40,2. Kara. 39,13. य-द्रश्रीणात्त्रह्राणा TBR. 1,5,2,9. 3,1,2,5.6 Buág. P. 8,18,5. श्राणा des Metrums wegen 7,14,23. — Vgl. श्लाण.

2. श्राण 1) adj. dressed, cooked, matured. — 2) f. श्रा rice-gruel Wilson nach Çardârthak. — Feblerhaft für श्राण, श्राणा.

म्रोपाकारिकर्षा m. N. pr. eines Mannes Schifferer, Lebensb. 299 (69). Burnouf in Lot. de la b. l. 351 (म्रोपा: कारिकर्षाः).

माणाकारिविंश m. desgl. Schiefner, Lebensb. 283 (53).

भागापहास N. pr. einer Stadt Burnour, Intr. 253. fg. ंक m. pl. die Bewohner dieser Stadt 252. fgg.

भाषा Unanis. 4,51. m. (nicht zu belegen) und f. Sidda, K. 247,h,1. und ब्राणी (später) f. 1) Hinterbacke, Keule, Hüfte Nin. 4,3. AK. 2,6. 2, 25. 3, 4, 24, 240. H. 607. Halaj. 2, 357. gew. du. RV. 10, 163, 4. AV. 9, 4,13. 7,9. 8,21. 10,2,3. 9,21. VS. 20,8. TS. 5,7,45,1. 7,3,46,2. CAT. Br. 3,8,2,18. 4,5,2,3. Ait. Br. 2,6.7,1. Katj. Çr. 6,4,2.7,6. Suçn. 1, 77, 12. प्रत्यारःप्रनाणविस्तीर्णास्त्रीश्राणिः 126, 10. 321, 6. श्राहरूमा मम श्रीणिम् MBH. 1,5966. Spr. (II) 4458. Vanah. Bru. S. 56,7. 70,3. 80,17. ॰ पूर्र च मृन्द्रम् Pankar. 1,14,57. Duurtas. 66,9. Buag. P. 3,23, 32. 5,23,6. ेट्श 2,1,35. त्रिशाला Напу. 7894. भारादलसगमना Месы. 80. PRAB. 40,3. ेतरालसगिति BHAG. P. 8,9,17. ेबिम्ब (angeblich = कारिमूत्र Dhanamgala im ÇKDR.) Vike. 100. Malav. 36. Spr. (II) 6173. पीनम्राणिपयोधरा MBH. 3,2393. BRAHMA-P. in LA. (III) 50,5. विप्लम्रा-णीभूरा Spr. (II) 1633. ज्याम ॰ Buac. P. 4,24,51. am Ende eines adj. comp. (f. र्): काञ्चीग्षालसच्क्रीपा 3,28,16. वक्टक्रीपा 4,21,16. ग्रू-श्रीणी R. 2,30,42. चारू VARAH. BRH. 24,10. स् MBH. 1,2792. 3301. 3, 1805. 2893. R. 1,48,22. 2,30,32. 3,52,31. 5,13,53. VARAH. BRH. S. 105, 12. BRAHMA-P. in LA. (III) 53, 9. Buac. P. 4,25,23. 6,17,27. 9,19, 4. Pankar. 2, 5, 28. पृद्युन् MBu. 1, 5968. मक्।करितरश्रोएय: 3, 1787. Schenkel der Vedi TS. 5,3,4,5. ÇAT. BR. 1,3,3,6. 3,5,4,2. 4,2,4,15. चेंद्रि॰ Åçv. Çr. 1,1,23. 5,1,11. -- 6, 10, 21. Katj. Çr. 9, 10, 7. 17,2, 11.17. KAUÇ. 137. — 2) Weg, Pfad ÇABDAR. und BHAR. im DVIRUPAR. nach ÇKDa. — 3) स्त्रीणी N. pr. eines Flusses VP. 185, N. 80. — Vgl. पिटपत्ति ॰, पृथ् ॰ (f. ॰ भ्रोगाी auch MBH. 1,4745. R. Gora. 1,49,18. Buås. P. 8,12,30), श्रुत<sup>0</sup>, स्<sup>0</sup>.

म्राणिकपाल n. Schenkelknochen Ait. Br. 1,22.

श्रोणिका f. = श्रोणि 1): °पुग Pankar. 2,5,28. — Vgl. श्रोणीका. श्रोणितम् (von श्रोणि) adv. aus dem Schinken VS. 21,43. Nia. 4,3. श्रोणिप्रतादिन् adj. in den Hintern stossend AV. 8,6,13.

भ्रोगिपाल n. = श्रीपापालक Råóan. im ÇKDa. श्रीपापाल Coleba. und Lois. zu AK. 2,6,2,25.

म्रोगिपालल n. = कर Hüfte AK. 2,6,2,25. — Vgl. ऊर्फलक. म्रोगिविध m. N. pr. eines Mannes; pl. seine Nachkommen Sassk. K.

म्रोपामूत्र n. Gürtel MBn. 4,190. म्रोपाि॰ dass. R. 5,24,6 (neben मे-खल). Degengurt 7,6,65.

म्राणीका f. = म्राणिका Pankar. 1,10,90.

श्रीणीफल und श्रीणीमूत्र s. u. श्रीणि°.

মান্ত্র m. N.pr.eines Mannes; pl. seine Nachkommen Sansk. K. 185,b,s. স্থানের (von 1. मु) 1) nom. ag. und fut. hörend, Hörer, Zuhörer; mit acc. und gen. (der Sache oder der Person): স্থানা ক্রম RV. 1,178,s. 3,26,2. 5,61,15. 6,23,4. 24,2. oxyt. Cat. Br. 14,6,5,1. 2,31. 8,11. — RV. Pràt. 15,2. Kaush. Up. 3,8. MBh. 3,13055 (Gegens. মুন). 13,381. 14,619. Hariv. 7384. R. 1,4,5. Spr. 3283. (II) 471. 1727. 4258. 5658. Kumàras. 1,46. Weber, Râmat. Up. 300. Verz. d. Oxf. H. 47,a, No. 103, Z. 21. fg. 153,a, No. 328, Cl. 6. Ràéa-Tar. 3,95. Sàh. D. 8,20. Bhág. P. 4,12,46. 7,2,44. fg. 8,23,28. Sarvadarçanas. 156,16. — 2) m. N. pr. eines Jaksha (nach dem Comm.) Bhág. P. 12,11,37.

म्रोतिंद्य (wie eben) adj. zu hören, was gehört werden kann oder muss,